

सजने का है शौकीन

सजने का है शौकीन, कोई कसार न रह जाये
ऐसा कर दो श्रृंगार, सब देखते रह जाये
सजने का है शौकीन.....

जब सांवरा सजता है, सारी दुनिया सजती है
बाबा पे इतर छिड़कते हैं, सारी दुनिया महकती है
बागो का हर एक फूल, गजरे में लग जाये
सजने का है शौकीन.....

जब कान्हा मुस्काये, सीसा भी चटक जाये,
चंदा भी दर्शन को, धरती पे उतर आये
सूरज की किरणों से, दरबार चमक जाये
सजने का है शौकीन.....

क्या उसको सजाओगे, जो सबको सजाता है
क्या उसको खिलाओगे, जो सबको खिलाता है
बस भाव के सागर में, मेरा श्याम समां जाये
सजने का है शौकीन.....

बस इतना ध्यान रखना, इतना ना सज जाये
इस सारी सृष्टि की, उसे नजर ना लग जाये
ये सुभम रूपम तेरे, भाव के भजन गाये
सजने का है शौकीन.....

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/2969/title/sajne-ka-he-saukin-koi-ksar-na-reh-jaye-isa-kar-do-shingar-sb-dekhte-reh-jaye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |